ई.सी.ओ.– 02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2023–24

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 02 : लेखाविधि – I

जुलाई 2023 तथा जनवरी 2024 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –110068

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ.–02 : लेखाविधि–I

सत्रीय कार्य – 2023–24

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2023 और जनवरी 2024)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2023,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2024** तक है।

2. जो **जनवरी 2024,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसम्बर 2024** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**ई. सी. ओ. -02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**लेखाविधि - I**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**ई. सी. ओ. -02/टी. एम. ए./ 2023-2024**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. लेखाकरण को परिभाषित करें और इसके दायरे, उद्देश्य फायदे और सीमाओं की व्याख्या करें । **(20)**

2. बैंक समाधान विवरण के बारें में लिखें, अंतर के मुख्य कारण क्या हैं ? **(20)**

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए : **(20)**

क) चालू व्यवसाय की संकल्पना

ख) रूढ़िवादिता

ग) एकरूपता

घ) महत्व की संकल्पना

4. 1 जून, 1987 को सोहन ने मोहन के नाम 3 महीने के लिए 1,500 रु. का एक बिल लिखा। इस बिल का बेचान रोहन के नाम किया गया । 5 जुलाई को मोहन ने सोहन से निवेदन किया कि वह बिल का नवीकरण करके उसकी अवधि तीन महीने के लिए बढ़ा दे और इसके लिए 25 रु. ब्याज ले ले । सोहन नकद रूप में दे दिया और 1,500 रु. का एक नया बिल स्वीकार कल लिए । नियन तिथि पर बिल का भुगतान का दिया जाता है । विभिन्न पक्षों की लेखा पुस्तकों में लेन – देनों को रिकॉर्ड कीजिए । **(20)**

5. निम्नलिखित विवरण के आधार पर 31 दिसम्बर 1987 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापार और लाभ-हानि खाता बनाइए और उस तिथि के लिए बैलेंस शीट तैयार कीजिए । **(20)**

	रु.
1 जनवरी, 1987 को स्टॉक	40,000
क्रय	98,000
प्राप्त कमीशन	650
किराया, उपशुल्क और कर	8,600
वेतन और मजदूरी	12,000
विक्रय	1,62,100
आवक वापसी	2,400
जावक वापसी	3,000
विविध व्यय	2,500
बैंक सेवा प्रभार	50
प्राप्त छूट	750
क्रय पर गाड़ी भाडा	2,000

दी गई छूट	530
विक्रय पर गाड़ी भाडा	1,700
बिजली	2,200
डाक शुल्क	300
निवेश से आय	500
दत कमीशन	1,000
बैंक ऋण पर दिया गया ब्याज	550

31 दिसम्बर , 1987 को स्टॉक मूल्य 26,000 रु. लगाया गया ।